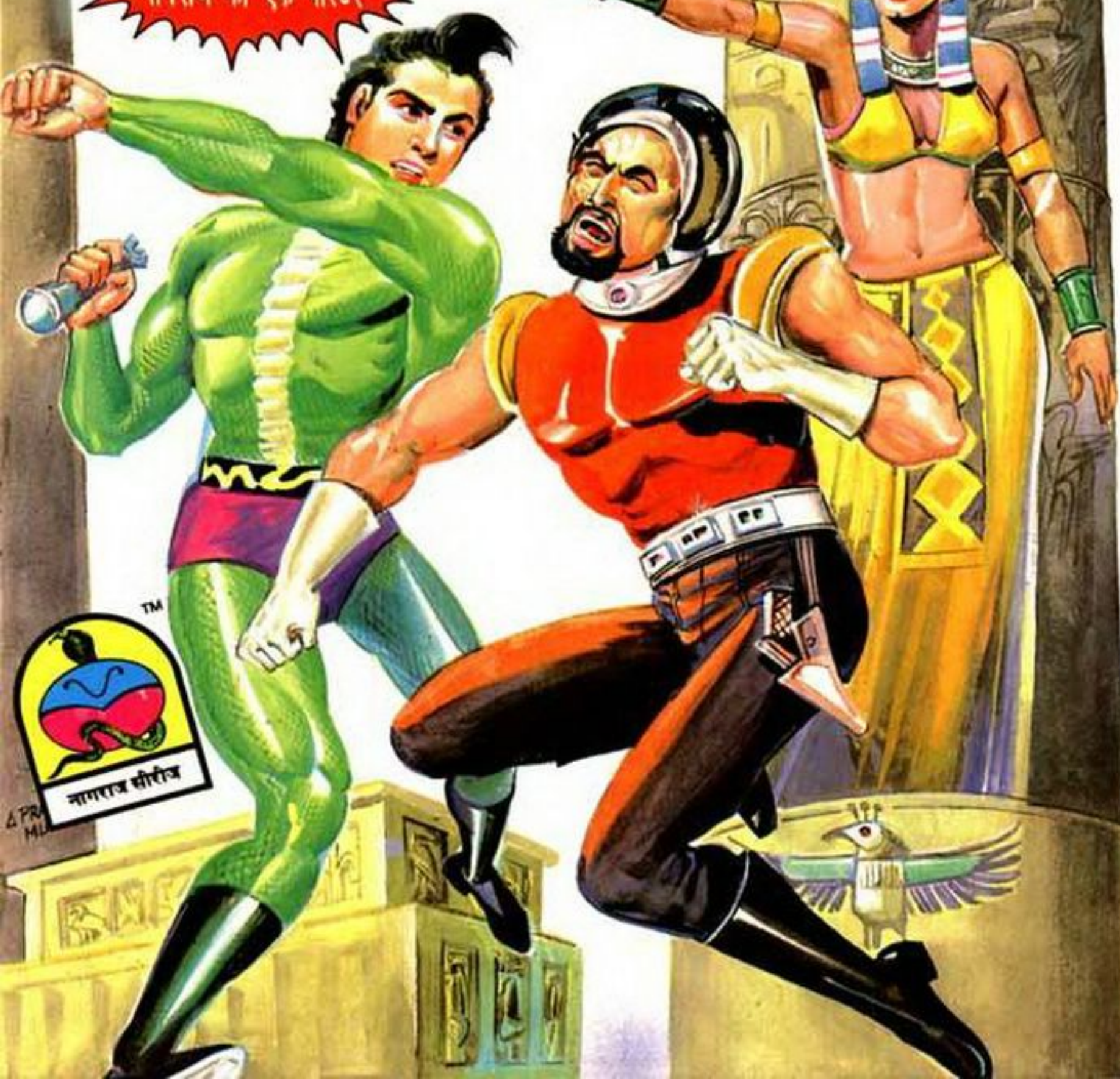


राज
कॉमिक्स
 मूल्य 15.00 संख्या 390

पिरामिडों की रानी नागराज

मुफ्त
 नागराज का एक पोस्टर



APR
 ML

नागराज और पिरामिडों की रानी

लेखक: लक्ष्मी कुमर वही
सम्पादन: मनीष चंद्र गुप्त
कथा निर्देशक: प्रताप मुखीक
चित्र: चन्दू
सुनिवेश: उदय भास्कर

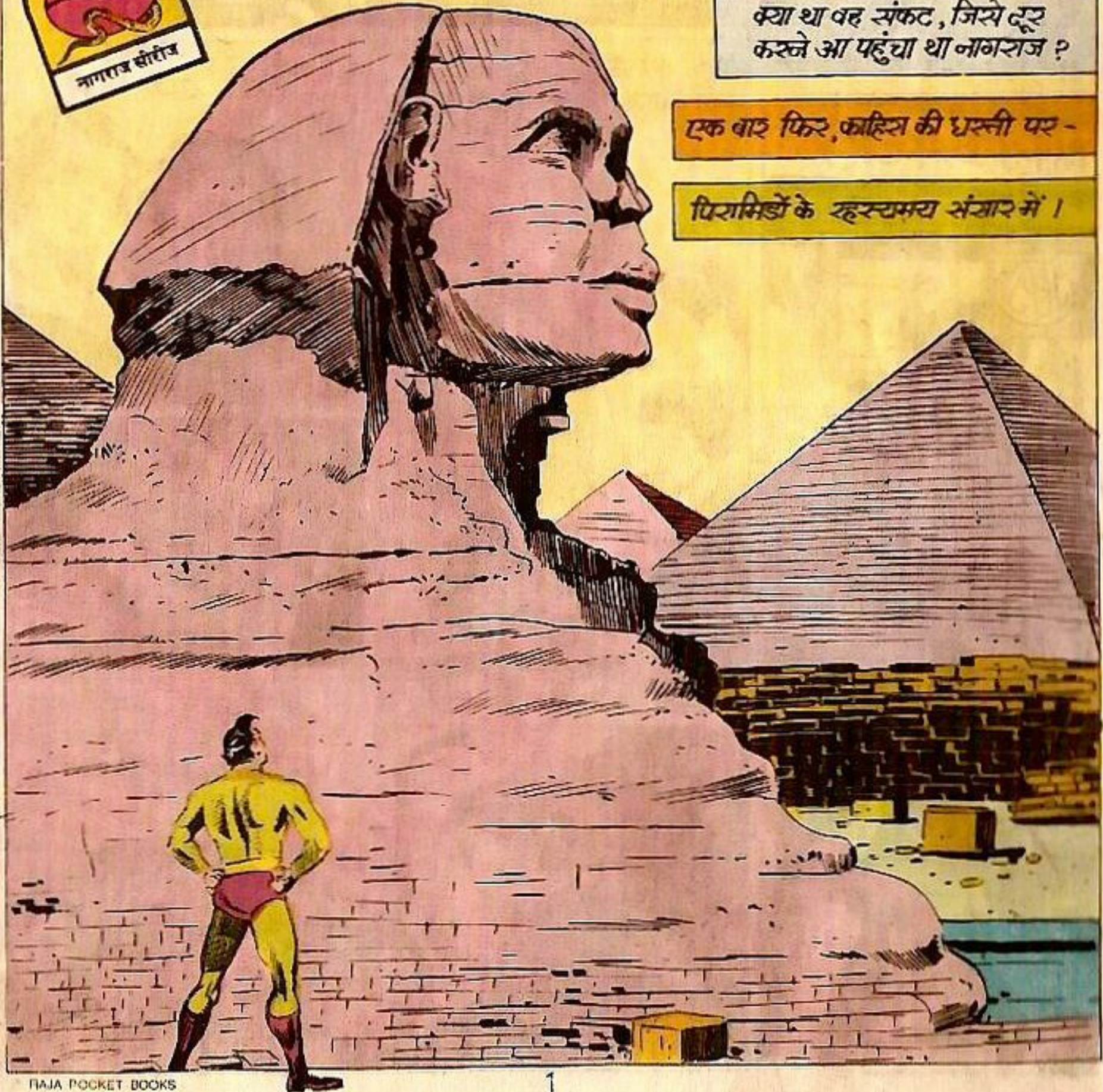


रहस्यमय पिरामिडों के देवा मिस्र की राजधानी,
काहिरा! जहाँ आजकल मंडराया था एक अभूतपूर्व संकट!

क्या था वह संकट, जिसे दूर
करने आ पहुंचा था नागराज?

एक बार फिर, काहिरा की धरती पर -

पिरामिडों के रहस्यमय संसार में।

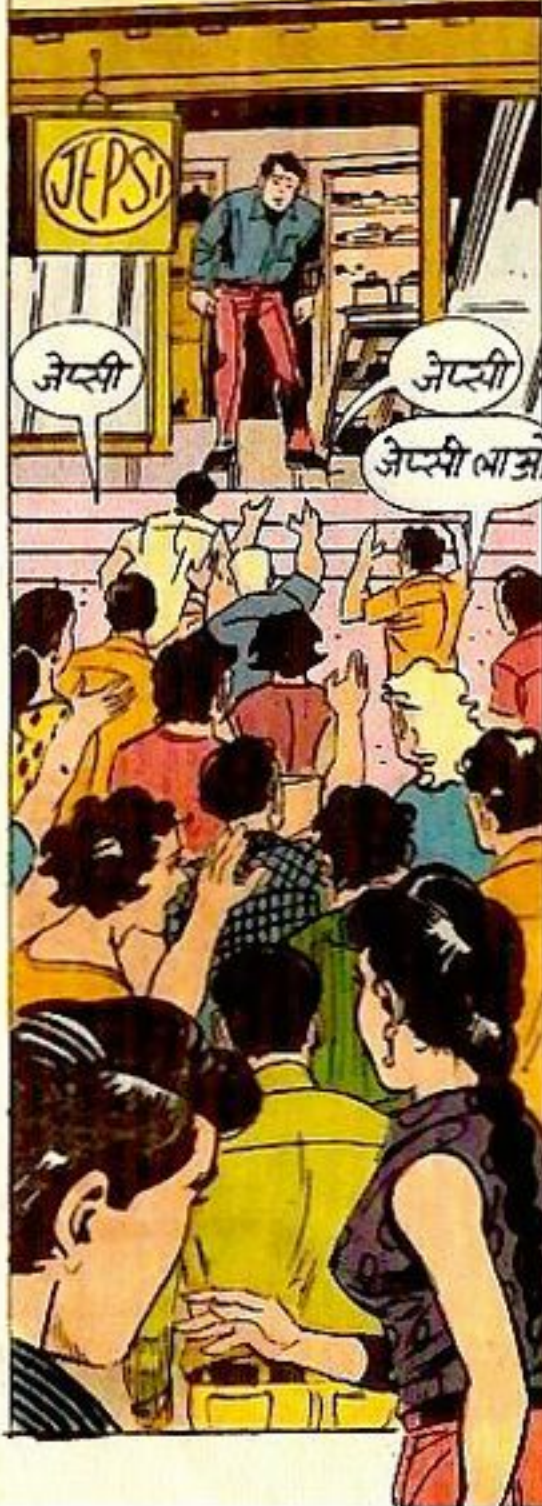


भारत - एफन फूड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ॥ विशेषरूप से बच्चों के लिए बनी पौष्टिक एवं अतिस्वादिल्लत डबलशेटी 'जेप्सी' के वितरण के लिए फैक्टरी से बाहर निकाला कम्पनी का वह ट्रक ॥



और पप्पू बेकरी पर मची थी धूम -

PAPPU BAKERY



शुर्फ एक दिन पहले बाजार में आई 'जेप्सी' के दीवाने, ये बच्चे -



यही है RIGHT CHOICE BABY! AHA!

मीठी मीठी!



जेप्सी

जेप्सी



जेप्सी लाओ!

झांत ॥ झांत ॥ 'जेप्सी' का एक आता ही होगा जेप्सी-वेड लेकर बो बो आ गयी जेप्सी।





हाथों-हाथ बिकी जेप्सी!

पता नहीं एक ही दिन में बच्चे इतने दीवाने क्यों हो गए हैं जेप्सीके!

जेप्सी श्वाओ, खुद जान जाओ! टेन-टेन-टेनेन



और उस शाम शहर में हंगामा मच गया -

??

वह टुक आ रहा है। मुझे उस टुक के नीचे कुचलना है।

जरा मी तो स्वीफ नहीं शायद था मासूम ने-



धड़क

आह आह

कैसा कठिना था? कैसी थी ये विडम्बना?

जितने मुंह उतनी ही बातें -



नितिशा! मेश लाव! मेश बच्चा!

आत्म हत्या? इतने आत्महत्या की है?

इतना छोटा बच्चा आत्म-हत्या के बारे में मोच भी नहीं सकता।

ठीक कहते हो! यह सरासर उस डाइवर की लापरवाही का नतीजा है।

मैंने उसका नम्बर नोट कर लिया है। पुलिस को पत्र लिख करों कोई।



क्या यह वाकई आत्महत्या थी?

अगर वह आत्महत्या नहीं थी तो ये क्या था?

उसी की तरह यह मासूम खुद ही भूल गई थी फांसी के फंदे से।

इंस्पेक्टर मोहन भण्डारी का बेटा -

पापा के सर्विस रिवाल्वर की एक गोली मुझे सदा की नींद सुला देगी।



फांसी का फंदा! मुझे भूल जाना है इस फन्दे से।



रुचि! मेरी बच्ची! नहीं! आह!



नवीन बेटे! उफ! यह क्या किया इंसाने?

तक्षशिला स्कूय-लेब के विद्यार्थी-

लिस्का की तरह क्यों न पी जाऊं मैं ये सॉल्फ्यूरिक एसिड।



और तूफान मच गया लैब में। चीख पड़े लैब इंचार्ज मिस्टर वाणेश -



अरे बेटा, जो है, वो पिम्का नहीं, साय्प्रियूटिक एरिड है... उफ...!

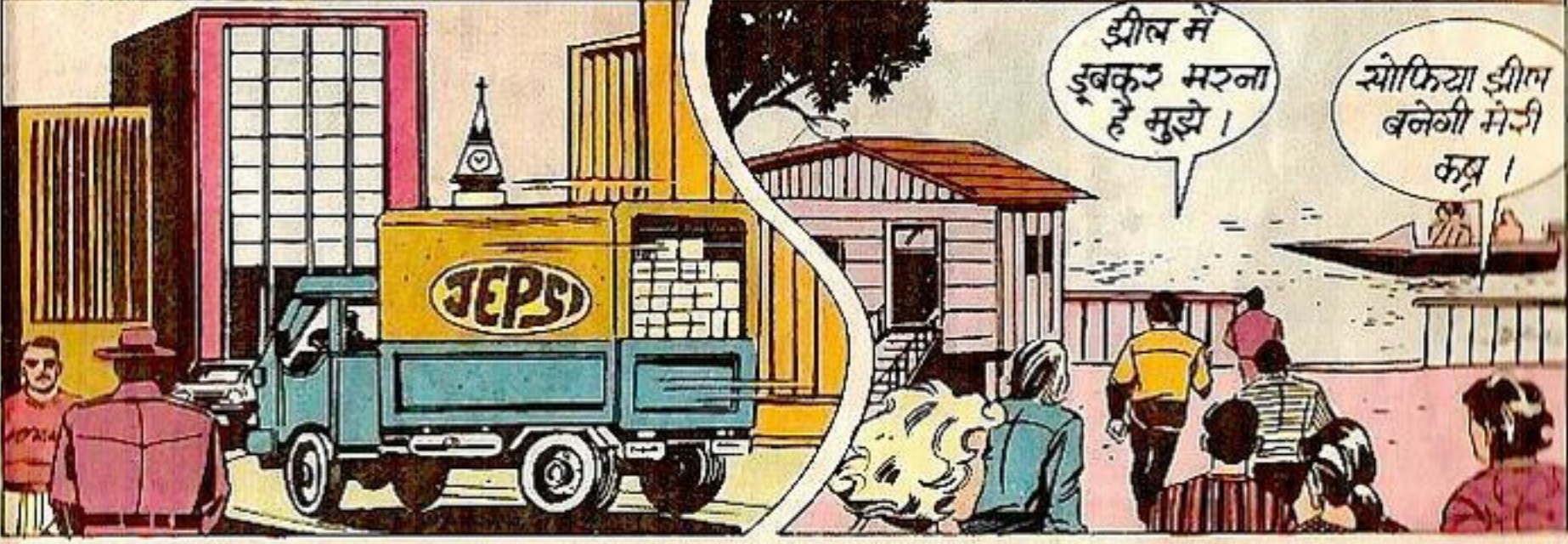
ओह!

उफ! चारों को क्या सूझी आत्महत्या की?

भास्त के कोने-कोने से आ रहे थे बच्चों द्वारा आत्महत्या करने के समाचार।

शूरोप-बुलवारिया की राजधानी, सोफिया -

सोफिया झील की ओर बढ़ रहा था बच्चों का वह झुण्ड-



झील में डूबकर मरना है मुझे!

सोफिया झील बनेगी मेरी कब्र!

उफ! आत्महत्या करने का कैसा भूत सा प्रचार था बच्चों पर!



डूबाकर

डूबाकर

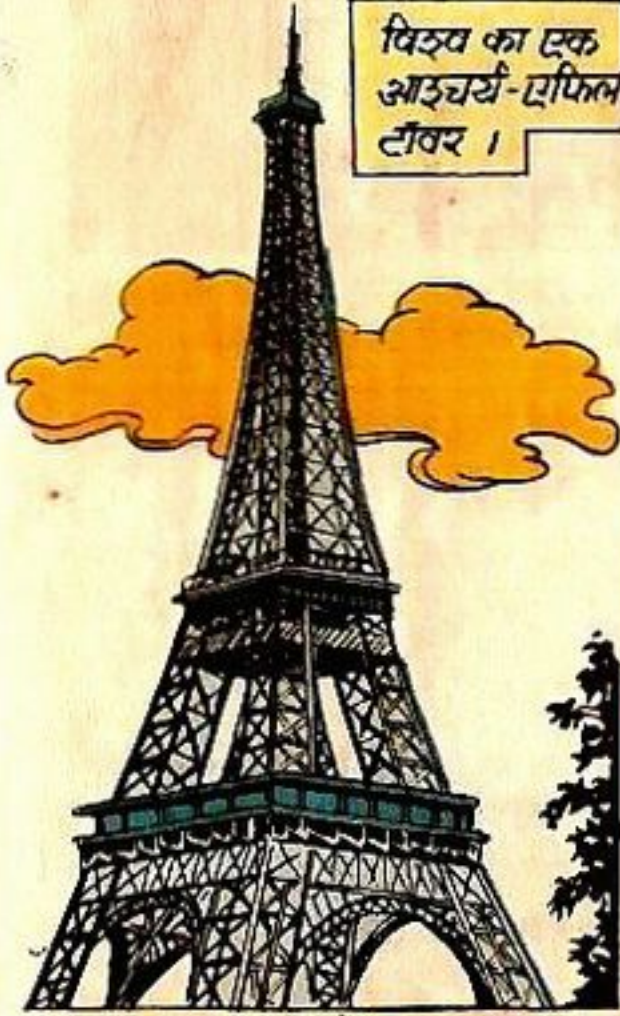
अरे, ये बच्चे झील में क्यों कूद गए हैं?

पतक डूबकने ही झील पर मातम का सा दृश्य दिखाने लगा।

फ्रांस की राजधानी पेरिस -



विश्व का एक आश्चर्य-एफिल टॉवर ।



बच्चे-मुन्नों की वह टोपी क्या सोच रही है इतनी ऊंचाई से बिर कर एक ऐतिहासिक मौत मिलेगी मुझे ! एफिल टॉवर से बिर कर मैं सचमुच जिन्दा नहीं बचूंगा ।



और धीरे-धीरे निकल गई अन्य पर्यटकों के मुंह से-

बच्चे एफिल टॉवर से कूद गए हैं ।

बच्चों द्वारा आत्महत्या !



एशिया-स्थान हॉन्गकांग -



अगर मैं ये बोट दूसरी बोट से टकरा दूँ... तो मेरे जिस्म के चीखड़े उड़ जायेंगे । वाह ! यह होगी एक झानदार मौत !



चिखते ही तो उड़ा लिये थे अपने अपने जियमके

धड़ाम



कुवैत - स्थान, अबकुवैत।



कार के पेट्रोल टैंक में आग दो शुरुवाती हुई तीली। और हो जाओ अल्लाह को प्यारे



बारूद के समान फट गई कार।



हंसने-हंसने खुद को मांसके लोथड़ों में बदल लिया था मौतके इस दीवाने ने।

विश्व के छोटे-बड़े देश हैशन थे। दुनिया भरके बच्चों पर यह कैसा पावाभयन सवार हो गया था।



बच्चों द्वारा आत्महत्याओं की बाढ़ सी आ गई थी। विश्वकी जासूसी एजेंसियां एकाएक सक्रिय हो उठीं।

लेकिन परिणाम जैसे

नागराज !

प्रोफेसर नागमणि का आविष्कार !

बाबा गोरखनाथ का शिष्य !

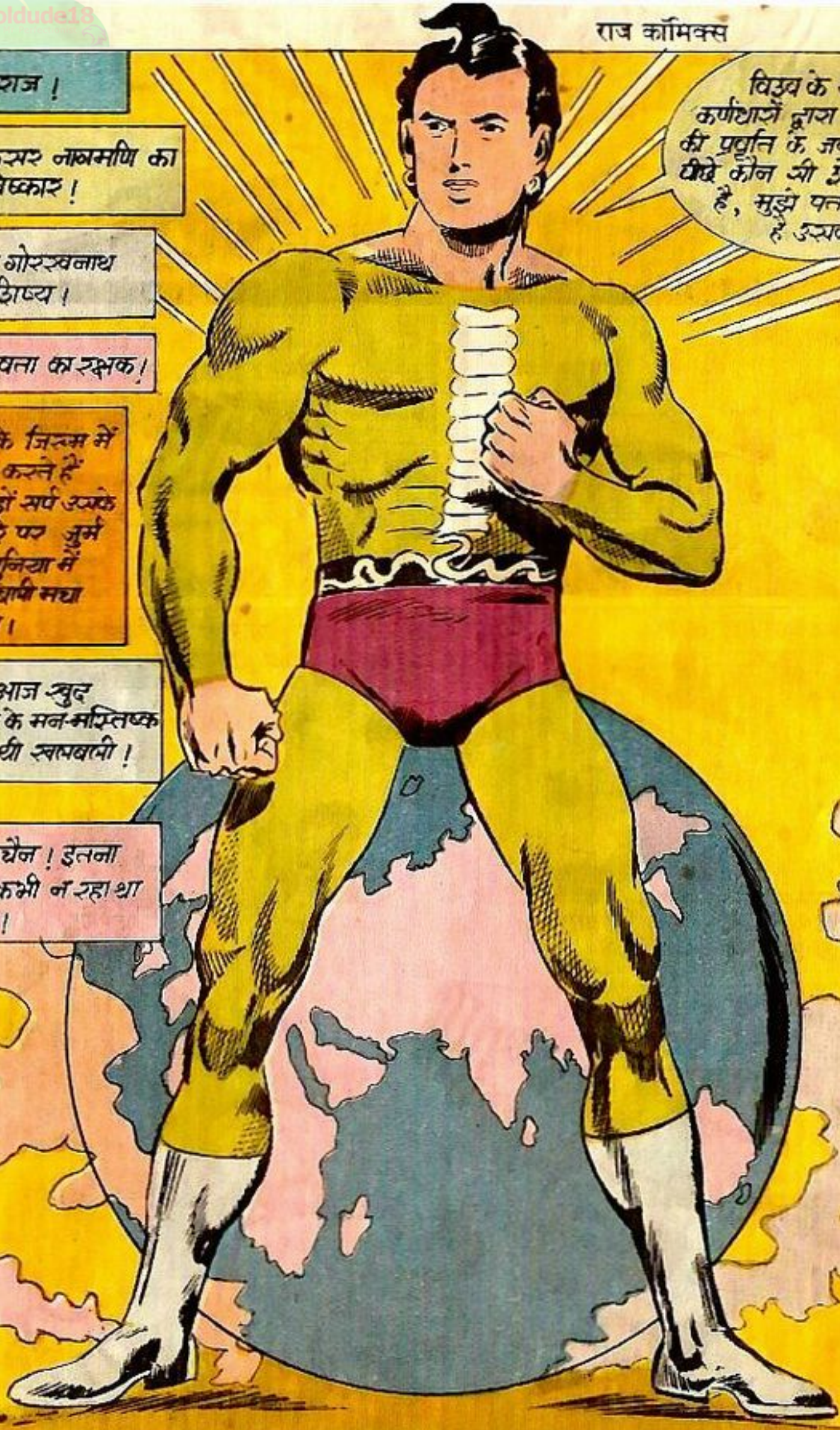
मानवता का रक्षक !

जिसके जिस्म में वायु करते हैं सैकड़ों सर्प उसके इंसान पर जर्म की दुनिया में स्वर्णमयी मद्य दें जो ।

लेकिन आज खुद नागराज के मन-मस्तिष्क में मची थी स्वर्णमयी !

इतना बेचैन ! इतना स्तब्ध कभी न रहा था नागराज !

विश्व के मासूम कर्णधारों द्वारा आत्महत्या की प्रवृत्ति के जन्म लेने के पीछे कौन सी अंतर्निहित शक्ति है, मुझे पता लगाना है उसका ।



नागराज और पिरामिडों की रानी

इटली के उत्तर में बसा (बीस हजार की कुप आबादी वाला) पिस्व का सबसे छोटा देश शान-मेरिनो !

होपी-क्राइस्ट पब्लिक स्कूल की वह बस छात्रछात्राओं को लेकर अपना शंजाना का सफर तय कर रही थी...

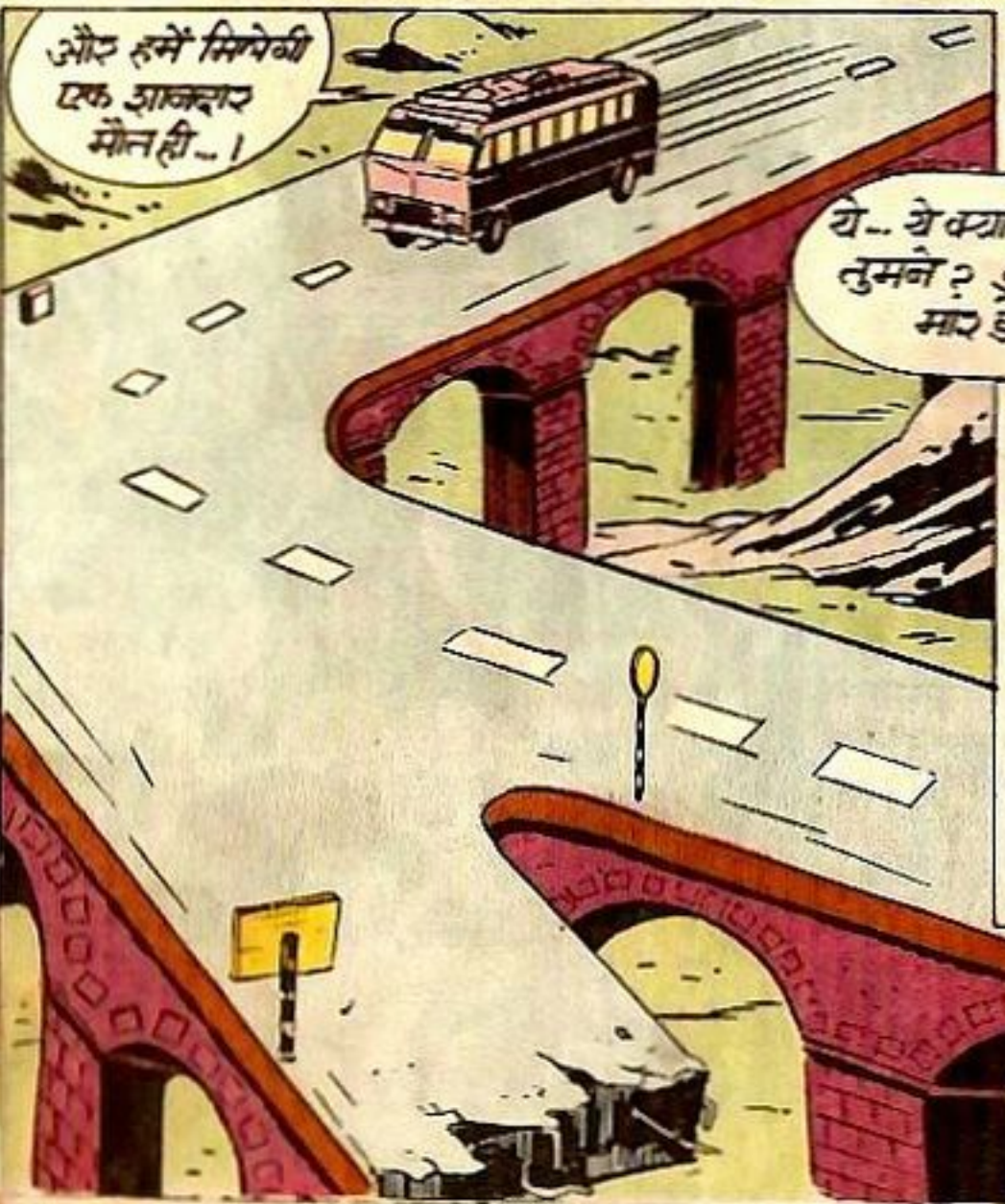


... कि मुसीबत वे अपना भयंकर जख्म फैला दिया-

तड़क

आह!

हम एक शानदार मौत चाहते हैं!



बस में मच गई चीखों-पुकार! मौत के आतंक से जड़ हो गए वे अन्य छात्र-छात्राएँ, जिन्हें मौत की चाहत नहीं थी।

और हमें सिपेवी एक शानदार मौत ही..!

ये.. ये क्या किया तुमने? ड्रिपर को मार डाला।

बस खरो बस खरो

बस स्वाई की ओर जा रही हैं। उफ!

ढापवां सड़क पर तूफान सी बलि
छकड़ापी थी बिना ड्राइवर की बसने-



शावधान!
आने पुन
क्षतिग्रस्त है!

OH, GOD!
HELP US!



कई मास्युम जिन्दगियों और उनकी मौत के बीच
था केवल कुछ ही मीटर का फासला!



जिससे बढ़ने न दिया था नागरस्त्री ने -

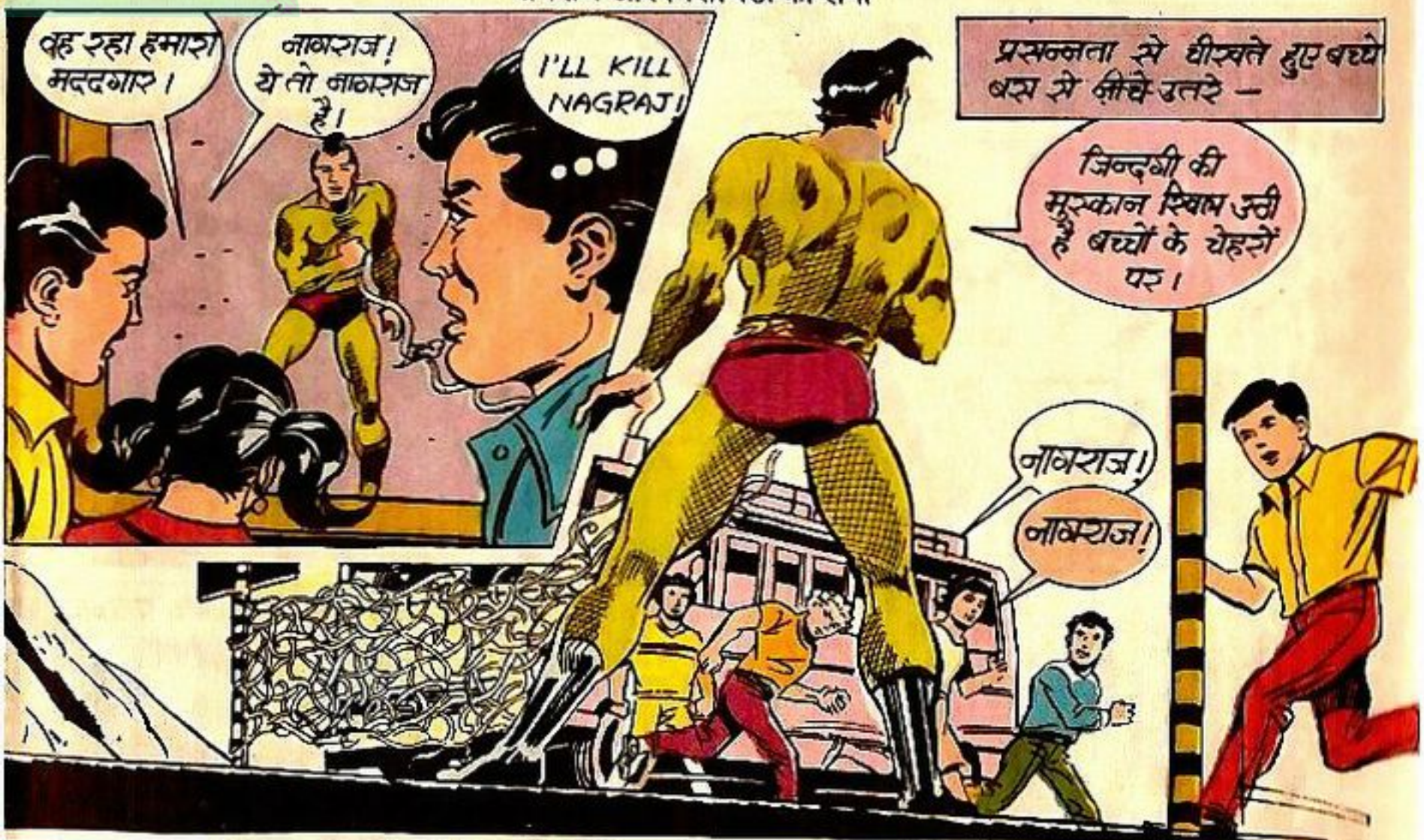


नागरस्त्री, जिसका अर्थ था - नागराज की मौजूदगी



मौत की दहशत से थरथर कांपते बच्चे -





वह रहा हमारा मददगार !

नागराज ! ये तो नागराज है !

I'LL KILL NAGRAJ!

प्रसन्नता से घीसते हुए बच्चे बस से नीचे उतरे -

जिन्दगी की मुस्कान स्वामि जी है बच्चों के चेहरों पर !

नागराज !

नागराज !

नागराज ! बस में अब कोई नहीं रहा !

ओह !



नागराज ने सर्पस्त्री वापस खींच ली -

हमारा अही हाथ हंसा था नागराज ! अगर तुम निकल कर नहीं आते !

भगवान ने तुम्हारी पुकार सुझ तक पहुंचा दी थी बच्चों !

यहां इस क्षण की तो कल्पना भी नहीं की थी नागराज ने -

I'LL KILL YOU NAGRAJ ! I'LL KILL YOU !

अह !



पेर मिया नागराज से दोस्त बच्चों ने-

नागराज! हमें बचाने का इजाम हम तुम्हें अवश्य देंगे।

तुम्हारी मौत नागराज!

??



सावधान नागराज! वे सभी मौत चाहते हैं। इन्हीं के कारण हम सब सुरक्षित में फंसे थे।

ये आत्महत्या करना चाहते हैं।

दुरी तरह से अब चौंक एड नागराज

आत्महत्या? ओह!



सब एक साथ हट पड़े नागराज पर-

इन मयूमां पर वार नहीं कर सकता मैं! फलावहीं कौन सी शक्ति से वशीभूत ये आत्महत्या करने पर उत्तर है।

नागराज ने उन्हें बेहोडा कर देना ही उचित समझा किन्तु -

हाकी विघ-फुंकार उन्हें बेहोडा कर देगी।



नहीं, हमें बेहोडा नहीं है हमें मरना है



इस दृश्य की तो कल्पना भी नहीं कर सकता था नागराज -

काट खाओ।

नागराज के जिस्म में खाइ-नाइड से भी भयंकर विष है।

काटो

दौत बढ़ा दियो चारों बच्चों ने नागराज के अंडीर पर।



उबा सा खड़ा रह गया नागराज।

उफ!



भयंकर विष समाता चमा गया था उनके जिस्मों में।

पिछलते चबे गए तीक्ष्ण विष के प्रभाव से अंडीर उन मायूमों के

आत्महत्या का गुनून खाए था इन पर तो।

नागराज ये सब मारे गये ?

मैं जानती थी वे खुद को रकून कर लेंगे।



किन्तु मेरा ही जिस्म इनकी मौत का कारण बन गया।



नागराज! शान-मेरिनो में आजकल दो ही चीजें बच्चों के लिए हस्तुकता का विषय हैं।



जेप्पी ब्रेड! और आत्महत्या।

जे... जेप्पी ?



हां नागराज! हमने भी सुना है जेप्पी ब्रेड के विषय में। बच्चों जेप्पी के दीवाने हो गए हैं नागराज!

मैं पिछले दो दिनों से दूढ़ रहा हूं जेप्पी!...



यूरोप का सबसे खतरनाक बैंगलर 'डॉन' था इस यान में -

'सर - डॉन' का स्वागत है!

कहो फ्रांसिस्को! कैसे हो?

सर डॉन और इसके यान के विषय में जानने के लिये पढ़ें - 'नागराज और ताजमहल की चोरी'

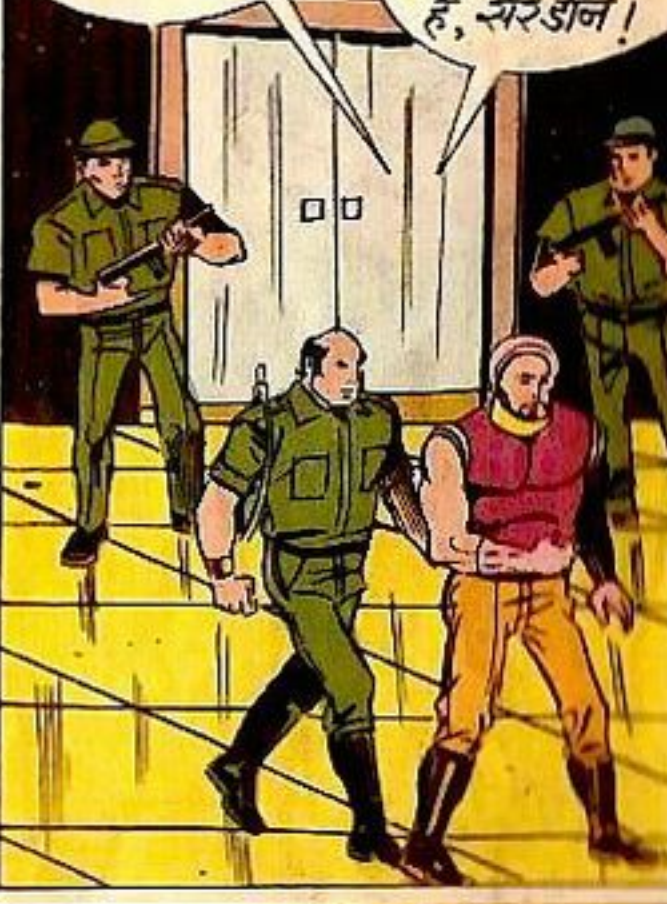
अच्छा हूँ सर डॉन, लेकिन कमाव का है आपका ये यान। प्रकाश की गति से चलता है, यहां तक कि राडार तक इसके सामने में धोखा खा जाते हैं।

इसके बिना हम अंधे हैं फ्रांसिस्को! दुनिया भर में 'जेप्सी' केवल यान-मेरिनो में बनती है...

...जेप्सी की डिप्रीवरी के लिए हमें एक घण्टे में पूरे संसार का चक्कर लगाना पड़ रहा है। जोकि इस यान के बिना मुश्किल ही नहीं असम्भव है।

आज हमें जेप्सी की फुल रिपोर्ट लेनी है विश्व भर में फैले अपने एजेंटों से।

सब लोग रिपोर्टिंग रूम में आपका ही इंतजार कर रहे हैं, सर डॉन!



ओह!

REPORTING ROOM



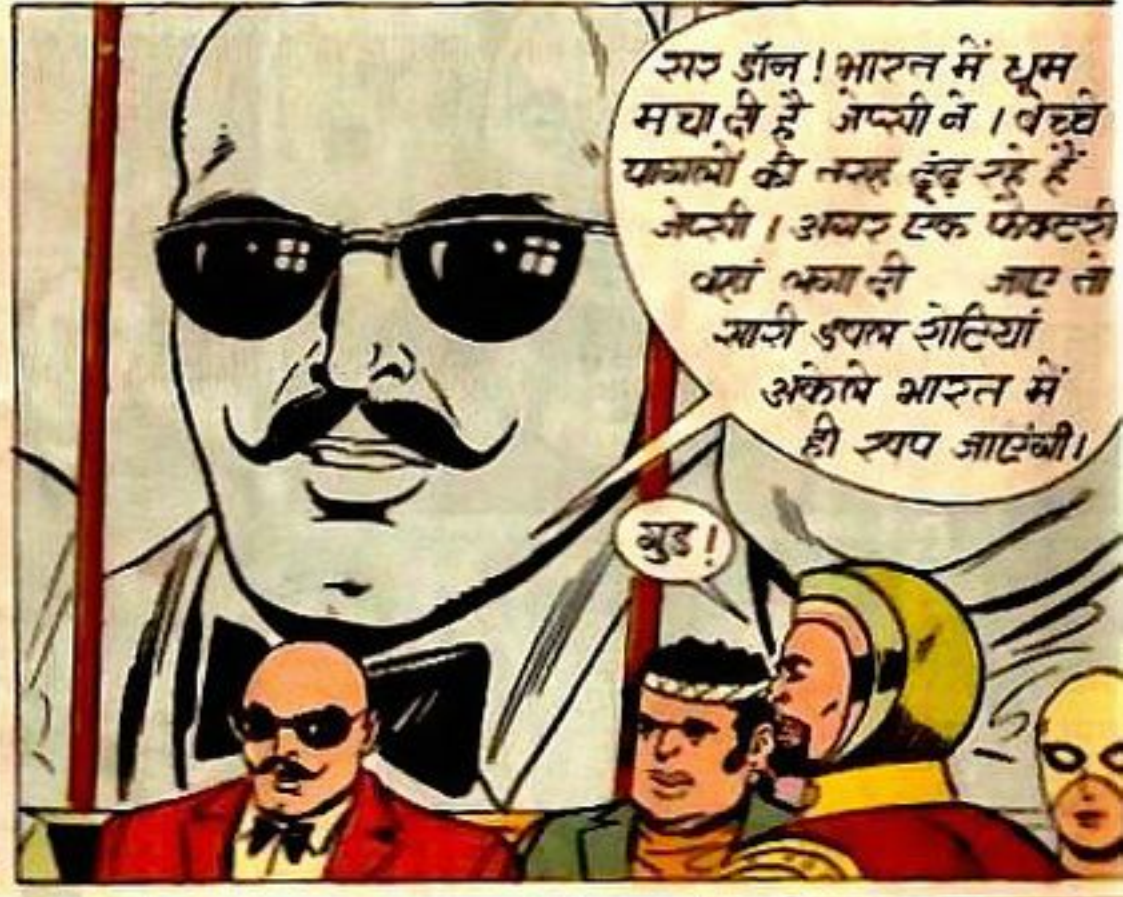
स्वागत है
सर डॉन,
आपका!

बैठ जाइये,
बैठ जाइये!

स्वागत है
सर डॉन,
आपका!



सब को
अपने-अपने
एशिया की जेप्री
रिपोर्ट पेश करें।



सर डॉन! भारत में धूम
मचा ले है जेप्री ने। वरुण
पात्रों की तरह लूट रहे हैं
जेप्री। अगर एक फेक्टरी
वहां बना ले जाए तो
आगे इतने शेरियां
अंकोरे भारत में
ही थप जाएंगी।

बुड!



बुलबुलिया के
बच्चों का भी
यही हाल है
सर डॉन!



पेरिस में तो शत को
ही प्रतीक्षारत बच्चों की पंक्तियां
कान्नी आरम्भ हो जाती हैं
सर डॉन!



हॉबकांग में तो
बच्चों में जंग ही छिड़ गई
जेप्री पात्रों के लिए।

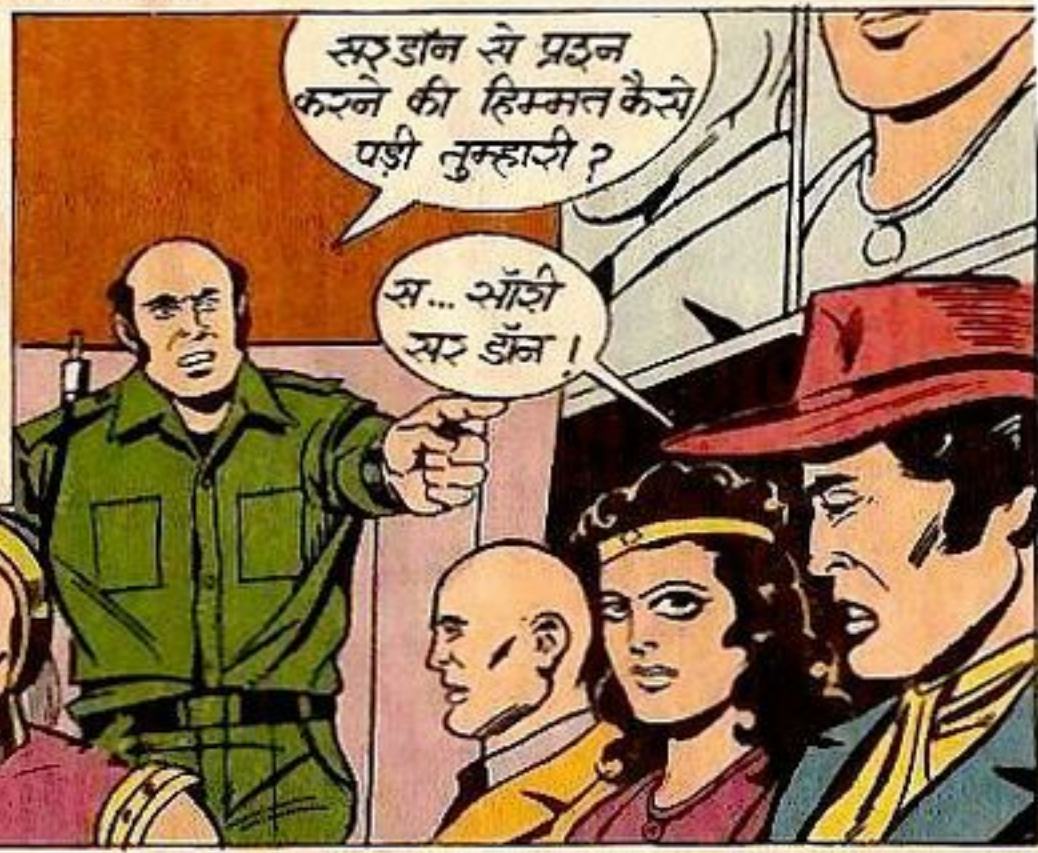
सर डॉन! आखिर जेप्री
में ऐसा क्या है कि दुनिया
भर के बच्चे पात्रों से
बाए हैं इसे धरमन
के लिए?

सचमुच। आज तक
किरी ब्रेडक पीछे इतना
पात्रोंपन नहीं देखा
मनोबच्चों में।



जवाब में सर डॉन ने भगाया एक विजयी अट्टहास -

हा हा हा हा



सर डॉन से प्रश्न करने की हिम्मत कैसे पड़ी तुम्हारी ?

अ... ओंठी सर डॉन !



अब मैं ही पात्र कठोर हो गई इसकी मुख-मुद्रा -

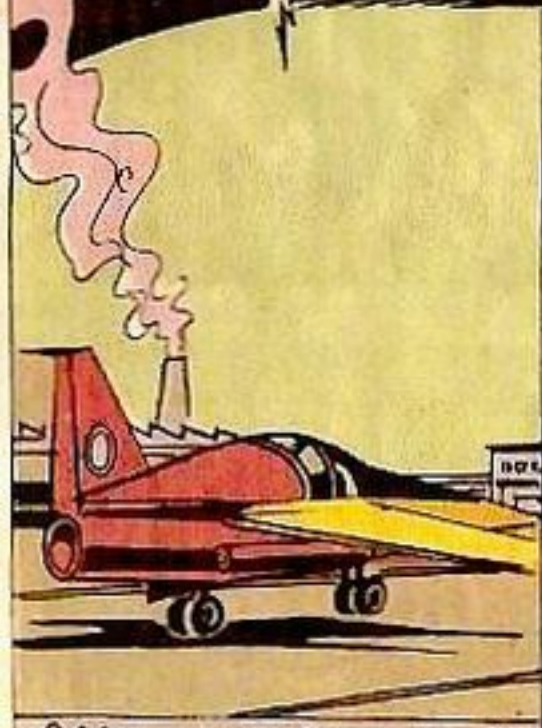
अब आप लोग जा सकते हैं। समय पड़ने पर हम फिर आपको यहाँ बुलायेंगे।

अपने यान की तरफ बढ़ा सर डॉन -

अच्छा फ्रॉयरिको! इस समय एक बेहद जरूरी कार्य से हमें मिस्र के पिरामिडों में पहुंचना है।



तब तक इश्वर-शक्तियों की नई खोज तैयार हो चुकी होगी सर डॉन !



इधर उड़ा सर डॉन का वह अज्ञेय यान। और इधर एवन फूड इण्डस्ट्रीज के ऊपर मंडराया काव ! नागराज !

जप्यो ब्रेड में ऐसा क्या है कि बच्चे पागल हो गए हैं इसके पीछे !



बच्चों में आत्म-हत्या का उन्माद इसी ब्रेड को खाने से बढ़ रहा है !

मीटिंग समाप्त की सर डॉन ने -

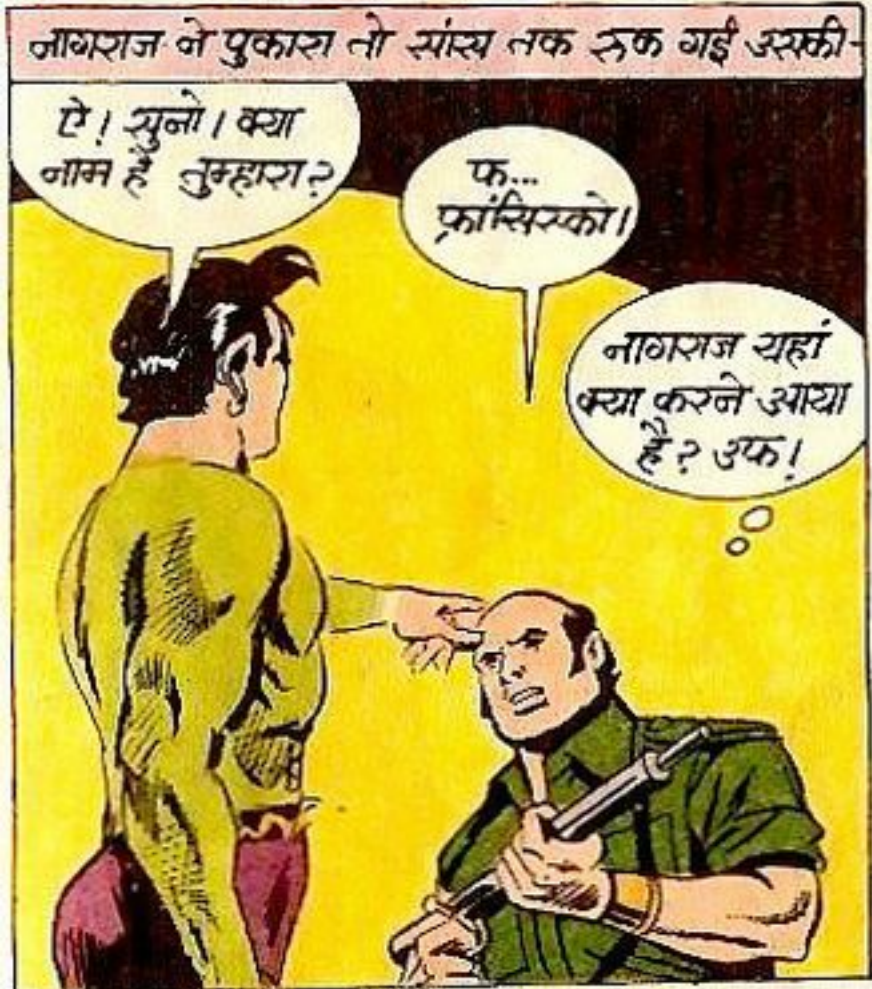




जेप्पी की तरह तक पहुंचना होगा मुझे।

नागराज! ००

फ्रांसिस्को के होडा उड़ गए थे उस इन्सान को देखकर।



नागराज ने पुकारा तो सांस तक रुक गई उसकी-

ऐ! सुनो। क्या नाम है तुम्हारा?

फ... फ्रांसिस्को।

नागराज यहां क्या करने आया है? उफ!



एवन फूड इण्डस्ट्रीज के माफिक से मिलना है मुझे।

आओ मेरे साथ।

यह ख-वे क्यों बना है यहां?

नागराज की निगाह से छिपाकर वह कलाई घड़ी का एक गुप्त बटन दबा चुका था।



ये मुझे पहचान चुका है। इसके चेहरे की एक्जैक्ट इस बात की पुनरावृत्ति सा रही है। इसका मतलब मैं ठीक जगह पर आ पहुंचा हूँ।



आओ नागराज!

ये कहा तो जा रहा है मुझे?

और बस। यही चूक गया नागराज।



घायें नश्यत अ बरज पड़ी जाभियां ही गोवियां -



बहराया हेफ्फोनेड -

पूरा इंतजाम है। उफ!

बड़ास



अंतानों ने घेर लिया नागराज को -

हाहाहा नागराज! यहां आकर अपनी मौत धुसा ली है तुमने।

अर डोंन को नागराज का सिर उपहार स्वरूप देंगे।



नागराज। वचा मंत्र धार। क्योंकि मुझे दूसरा धार करने की जरूरत नहीं पड़ती।

अपने मित्रों की चिन्ता नहीं है क्या तुम्हें, मूर्खों!

नागराज का सिर काटना तुम्हने बच्चों का स्वयं समझ लिया है क्या बच्चे?





नागराज की आँदी में था -

आजकल नागराज का नाम ही सुना था अक्सर । आज इसकी शक्ति का प्रदर्शन पहारी धार देख जे हें थें सभ ।



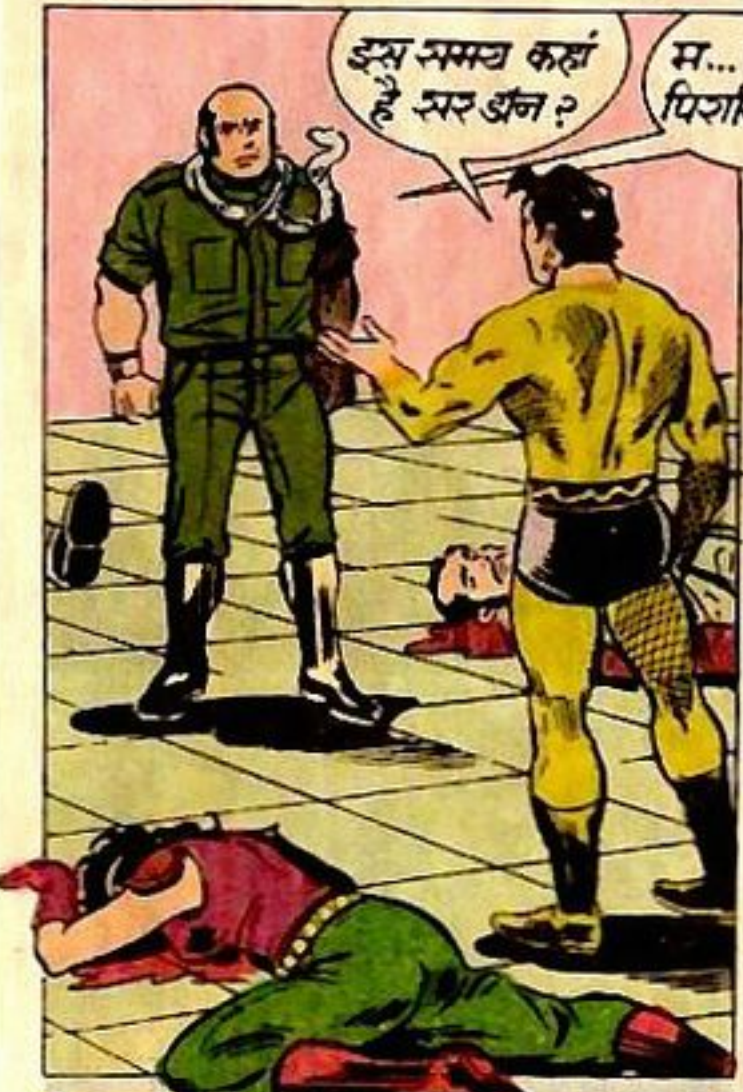


जल्द हटा लूंगा। सर डीन यहां क्या बुरा खिचा रहा है, पहले तुम ये बताओ।

राज नागराज! हमें इस बारे में कुछ नहीं मालूम



सर डीन यहां से पूरे संसार में 'जेप्री' ब्रेड डिप्रीचर कर रहे हैं। इससे ज्यादा हममें से कोई नहीं जाबता नागराज!



इस समय कहां है सर डीन?

म... मिश्र के पिरामिडों में!



मिश्र के पिरामिड!

... सर डीन वहां पिरामिडों में क्या कर रहा है?



और फिर जब नागराज वहां से गया तो एक्न फूड इण्डस्ट्रीज का जर्न-जर्न पुलिस के कठजे में था।



फ्रांसिस्को और सर डीन के उन सब एजेंटों की भाओं पुलिस को साथ चुकी होंगी।

एक बार फिर सड़न ज़ा था नागराज मिश्रा के पिरामिडों की शक्ति के रूप -

पिरामिडों की शक्ति के चप-चप से बाकि है शौडांगी। सरडॉन तक वही ले जायेगी मुझे।



पिरामिडों के उस रहस्यमय संसार के गर्भ में -



जो आज 40 इलाक़ों से भी अधिक वर्षों से सम्पूर्ण विश्व के लिए रहस्य बने हुए हैं।



सर डीन! आपका स्वागत करती है पिरामिडों की रानी फ़राहा के राजा महान तूतेस स्वामन की अर्धांगिनी - रानी अरेन्सामन!



आंखों को बंदिया देने वाले प्रकार में प्रकट हुई पिरामिडों की रानी।

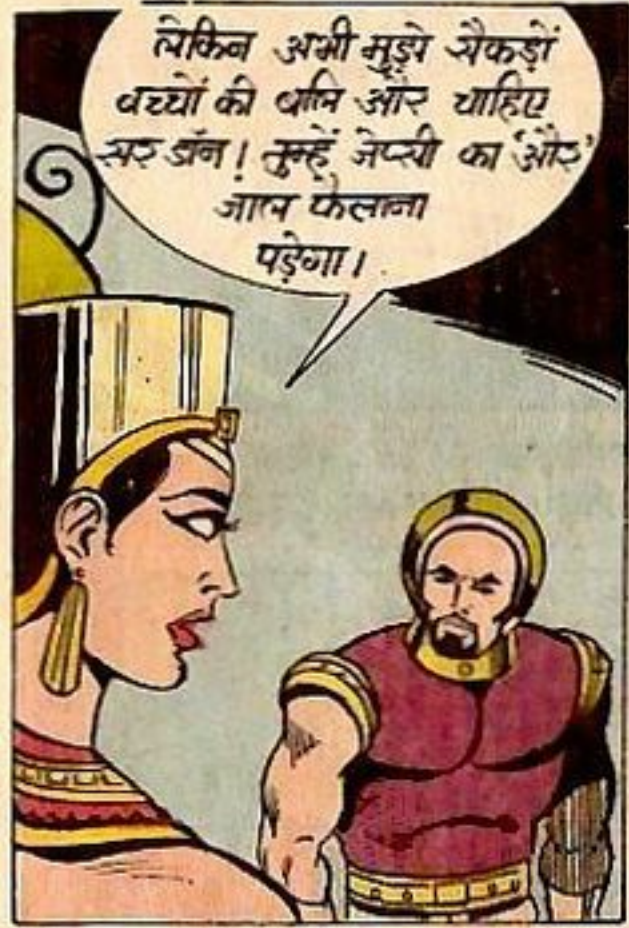


आज तक इसकी आज्ञा ही युनी की अट डीन ने। आज फ़राहा था पिरामिडों की रानी का देखकर भाँचकका ना हाँ ज़ा वह -

पिरामिडों की रानी अरेन्सामन को सर डीन का प्रणाम!



हम तुम्हारे काम से बेहतर प्रयत्न है अट डीन ज़रूरी का साथ तुम कर ज़ेफ़ा वरुनी को की का कला का दिया तुम्हें।



लेकिन अभी मुझे जैकड़ों
बच्चों की धमि और चाहिए
सर डैन! मुझे जेप्पी का 'और'
जाप फेलना
पड़ेगा।



पिरामिडों की रत्नी!
मेरे यहां आने का
कारण जादुई भयम
का स्वप्न होना है।



मुझे जेप्पी में मिलाने
के लिए लखियों की और
भयम चाहिए।

इसी भयम का
तो कमाव है कि
बच्चे हंसते-हंसते
मौत को गले लगा
लेते हैं।



मुझे यहां आया
देखकर ही हम यह बात
समझ गए थे सर डैन!
आओ हमारे साथ।



जनी आंखें रामन एक छन्द नापून के
निकल पहुंची -

स्वामी तूनेन रामन की
ममी का नापून है ये
सर डैन!

तुम्हारी दुनिया के
लोगों ने स्वामी की नींद
में स्वप्न डाल कर बुनाह
किया है। उनकी ममी को प्रदंडन
की वस्तु बना कर रख दिया है



और नागराज! जिसने जादू के
इहांआह महान तूनेन स्वामेन को
अनावर्तित करके और भी बड़ा
अपराध किया है।...

ये सब जानने के लिए पढ़ें 'नागराज और
जादू का इहांआह'



... जिसका भयानक दण्ड
में स्थित हूँगी नागराज को -
पर इससे पहले मुझे महान
तूतेन शामेन को देना है
सम्पूर्ण मानव शरीर!



यह देखो सरडॉन!
तुम भी देखो, स्वामी
तूतेन शामेन को -



... जीवित होना है
अभी इन्होंने।



महान तूतेन शामेन को
जिसका लेटाने के लिए अभी
सैकड़ों बच्चों की बलि की
आवश्यकता है सरडॉन!
अच्छा अभी कई और वर्ष
अब जायेंगे इन्हें अपना
जिसका प्राप्त करने में।

इस काम की
एवज में तुम्हें
मिथिला महान तूतेन
शामेन का पूरा
स्वजाना।



आप फिर न करें
पिशाचियों की गली! मैं
इस काम को पूरा करने
में दिन-रात एक कर
दूंगा। अस्तित्व महान
तूतेन शामेन हमारे
सी मित्र हैं।

यह - 'नागराज और
ताजमहाल की घेरी'



शनी आंखें-शामेन ने अपनी कमर पर बंधी एक
पोलियो उतापक उद्धार फेंकी सरडॉन की ओर

तो फिर यह जादुई भ्रम उसको
सरडॉन और नेप्सी को और अधिक
प्रचलित करे। नाकि और बच्चे
आत्महत्या को प्रेरित हों।

लेकिन यह क्या? भस्म तो पहुंच गयी किसी और हाथ में।



यह देख क्रोध से पाताल हो उठी ओडांभी -

ओडांभी के जिस्म पर उठे अकड़ों कटि चुभ गए सरडॉन के जिस्म में -



जब आन्तेरामस का विचित्र अह-



आन्तेरामस के क्रेष से तुम्हारे धियेना नागराज!

नागराज छिप गया कई अनेकरी शक्तियों से -



अह! जल्दी अद्वितीय इनसे निकलना होगा मुझे आन्तेरामस तक पहुँचने के लिये।



पीछे रहो आँतलो!

नागराज ने छोड़ी विघट्टुकाठ से पत्थरों को भी मोम की तरह पिटाया देती है।



जब वारा मोरग काय!

अउ डोल को सोशंजी ने चुपकी कर दिया -

द्वैताव! तेरे जिनस में उनका बह नही है जिनका तु मारुसे काय्या चुका है!





कुछ ही क्षणों में धूमने पर जल पत्रा मरुतीव का बेज्जल विषम-



श्रीम पड़ी आने-समय -
मरुतीव को मरुकर श्री लुकरान नृणे किबा है, नागराज की धडा विराकर पूज करेगी अथ उसे में।



नागराज विरामियों की श्री आने-समय की अदुई इक्तिवों को समाप्त कर पावत -

नागराज! इनको धीलों की कौत्र मे नही धरेगा वृ।

इन्को धीटे! उफ!

नागराज ने मुन म्वा था उन म्वा की धीलों के विषय में।



अदम्यकर म्वा अम्वा।



नागराज के विषय में चिपक गए अिकरों धीटे -

उफ!

धंटे धंटे



जब हृदय सोडांवी को खतरा का संकेत मिला कारकी था।

... नगराज! कुछ नहीं होया मुझे।

आह!

चंट चंट

बना जैसे अपना शत्रु जहल उड़िया देवी सोडांवी उस शत्रु की टों पर -

पिरामिडों की नारिज की अस्मकाला पर उठाकर हंस पड़ी पिरामिडों की शरी -



चंट चंट

... सोडांवी! यह मेरे शत्रु का शत्रु नहीं -

नागराज के शरीर से शत्रु अब अपना पूरा शक्ति खो चुके हैं।

पिरामिडों की शरी से ही लकल बड़े बड़े -

पिरामिडों की शरी ने शत्रु को काटा सोडांवी को -

नागराज ने शत्रु पुंछकर उड़ेवरी उस की पर -



कमीनी... दुष्टा!

आह!

तीक्ष्ण विष के प्रभाव ने चींटों का जन्म दिया -



क्रोध भाणोंवाद, आजाद शय्या-शानागराज स्त्रियों चींटों की कैद से -



अब आंखें-सामन नूच्य ना पाएगी मुझसे।

आंखेंसामन के शरीर से लिपट गए नागराज के जिन्म में वारा करने वाले शैकड़ी सर्प -



नहीं रुक! धचाओ!!

मुझे नो तेरे अंगो धीटे मौत न दे सके, किन्तु तुझे ये सर्प जरूर मार डालेंगे।

मरती हुई आंखेंसामन के मुंह से निकले अंतिम शब्द।

नागराज, मेरी मौत का बदला महान नूतेन स्वामिन तुझसे जरूर लेगे। तैयार रहना, अपना जीव पूरी करते ही वे आएंगे। अह!



नागराज नूतेन स्वामिन के ताकत की आदर क्या -



ओह! नूतेन स्वामिन का ताकत जायब हो रहा है।

इस प्रकार विजय से जेप्सी का आतंक समाप्त किया नागराज ने और फिर निकाम पड़ा अपने अकलत सफल पर।



देखते ही देखते जायब हो गया महान नूतेन का ताकत।